VOLUME : 3
NUMBER : 1

KHWAJA MOINUDDIN CHISHTI LANGUAGE UNIVERSITY

SITAPUR-HARDOI BYPASS ROAD, LUCKNOW - 226013

The Reflections

QUARTERLY NEWSLETTER

APRIL 2026 to JUNE 2026

Patron
Prof. Ajay Taneja
Vice Chancellor
Khwaja Moinuddin Chishti
Language University, Lukcnow

Editorial Board

Prof. Shalini Tripathi
Editor

Dr. Shan-e-Fatima
Deputy Editor

Dr. Moosi Raza
Deputy Editor

Dr. Yogendra Singh
Member

Mr. Ahtesham Ahmad
Member

Mr. Mohd. Aquib Furqan
Graphics Designer/Member

Message from the *Vice Chancellor*

Prof. Ajay Taneja, *Vice Chancellor*

Dear Members of the KMCLU Family,

As another quarter concludes, we mark yet another milestone in our shared journey.

I extend my heartfelt appreciation to each of you for your hard work, perseverance, and positive spirit. In our classrooms, offices, and across the campus, your dedication makes a meaningful difference every single day.

As you read through this edition of The Reflection, I hope it fills you with pride for what we have achieved and optimism for what lies ahead. The future of KMCLU is being written by us — together.

Warm regards,

Prof. Ajay Taneja
Vice-Chancellor

Message from the *Editor*

Dear Readers,

It gives me immense pleasure to present the Third Quarterly Newsletter (April–June 2026)"The Reflection"which chronicles the rich tapestry of curricular, academic, and co-curricular activities of our university over the past three months.

This News letter is more than just pages — it is a mirror of the creativity, talent, and spirit of our institution.I sincerely thank all the Editorial Team for their support in bringing this publication together.

Best regards,

Prof. Shalini Tripathi
Editor

Congratulations...

दिनांक 07 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्था SciRank Global द्वारा जारी Global Scientist Index 2025 Official Registry में उन्हें विश्व के शीर्ष 5 प्रतिशत वैज्ञानिकों (World's Top 5% Scientists) में स्थान प्रदान किया गया है। यह सम्मान उनके दीर्घकालिक शोध कार्यों, अकादमिक योगदान, वैज्ञानिक प्रकाशनों तथा वैश्विक शोध प्रभाव के कठोर एवं स्वतंत्र मूल्यांकन के उपरांत प्रदान किया गया है।

SciRank Global

This is to certify that

Ajay Taneja

World's Top 5% Scientists

Independent Researcher

Top 5% (Verified)

दिनांक 17 मार्च 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों को प्रकृति और प्राकृतिक विज्ञान पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2nd International Conference on Nature and Natural Sciences & ICNS 2026) में प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। डॉ0 नलिनी मिश्रा, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग को पर्यावरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'पर्यावरण श्री सम्मान व डॉ0 राज कुमार सिंह, सहायक आचार्य, विधि विभाग को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके निरंतर और अतुलनीय योगदान के लिए "आउटस्टैंडिंग सोशल सर्विसेज अवार्ड' प्रदान किया गया। कुलपति प्रो0 अजय तनेजा ने दोनों शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दिनांक 11 जून 2026। प्रिंट एवं पैकेजिंग उद्योग के प्रतिष्ठित मंच प्रिंटवीक द्वारा आयोजित विमेन टू वॉच अवॉर्ड्स 2026 में पब्लिशिंग पर्सन ऑफ द ईयर का सम्मान ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रुचिता सुजई चौधरी को प्रदान किया गया। देशभर से प्राप्त 108 प्रविष्टियों में से विभिन्न श्रेणियों के लिए 18 उत्कृष्ट महिलाओं का चयन किया गया।

विभागीय गतिविधियाँ

दिनांक 01 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में उत्तर–प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया, श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देशन तथा माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन में ओडिशा स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। छात्राओं द्वारा पारंपरिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति के साथ संबलपुरी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही सांस्कृतिक सत्र में छात्राओं की टोली ने एक ओजपूर्ण नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसकी दर्शकों और अतिथियों ने खूब सराहना की।

दिनांक 02 अप्रैल 2026 । ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आरजीएनआई आईपीएम नागपुर के सहयोग से "बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) एवं पेटेंट एवं डिजाइन फाइलिंग" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुल 120 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें विद्यार्थी, शोधार्थी एवं विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के संकाय सदस्य शामिल रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान नवाचार–आधारित दौर में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया तथा डिजाइन पंजीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर के सहायक नियंत्रक (पेटेंट एवं डिजाइन) कुमार राजू रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में IPR की मूल अवधारणाओं, पेटेंट ड्राफ्टिंग, फाइलिंग प्रक्रिया तथा डिजाइन संरक्षण के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके संबोधन से प्रतिभागियों को नवाचार और शोध कार्यों की सुरक्षा से जुड़े कानूनी एवं प्रक्रियात्मक पहलुओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

दिनांक 02 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों के सहयोग हेतु एक सराहनीय पहल करते हुए "दृष्टि संस्थान" को आवश्यक वस्तुओं का दान किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा के संरक्षण एवं विभागाध्यक्ष प्रो0 तत्हीर फ़ातमा के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर एम.ए. गृह विज्ञान के पाठ्यक्रम "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों" के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन भी किया गया।

दिनांक 06 अप्रैल 2026। भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से द फ्यूचर ऑफ साइबर सिक्योरिटी विषय पर कार्यशाला में आईआईआईटी के निदेशक डा. अरुण मोहन शैरी मौजूद रहे। वक्ता साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. रक्षित टंडन ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर हमले केवल

तकनीकी कमजोरियों के कारण नहीं, बल्कि मानवीय असावधानी से होते हैं।

दिनांक 07 अप्रैल 2026 | सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा छात्रों के तकनीकी ज्ञान एवं कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से ऑटो–कैड (AutoCAD) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छात्रों को कंप्यूटर आधारित ड्राइंग और डिजाइनिंग के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गई।

07th April, 2026 | On World Health Day, the students and faculty members of the Pharmacy department visited the Samarpan Old Age Home, extending their support through a health check-up camp for the residents. Interacting with the residents and understanding their health concerns was a valuable learning experience for our students. We're glad to have made a small difference in their lives. We also distributed refreshments, including fruits, juice, biscuits, and namkeen, which brought smiles to their faces, leaving us feeling fulfilled. The visit was a heartwarming experience for everyone involved.

08th April, 2026 | A workshop on Vishakha Guidelines Awareness was successfully conducted on 08 April 2026. The session by Dr. Mukta Garg highlighted key aspects of preventing workplace sexual harassment and promoting a safe, respectful environment for women.

दिनांक 10 अप्रैल 2026 | उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जन भवन स्थित गांधी सभागार में ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने प्रशासन, वित्तीय स्थिति, निर्माण कार्यों की प्रगति, प्रवेश प्रक्रिया तथा शिक्षण एवं गैर–शिक्षण पदों की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। समीक्षा के दौरान वाणिज्य, फार्मेसी, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी, विधि, सामाजिक विज्ञान, कला एवं मानविकी तथा विज्ञान संकायों की शैक्षणिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही छात्रावास सुविधाएं, छात्र कल्याण, नवाचार एवं इन्क्यूबेशन, शोध पीठों, संग्रहालय, आर्ट गैलरी, एमओयू, सुरक्षा व्यवस्थाएं, एनएसएस–एनसीसी की विस्तार गतिविधियां, सांस्कृतिक एवं खेल कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। 'समर्थ' पोर्टल के क्रियान्वयन, शोध परियोजनाओं, प्रकाशनों, पेटेंट्स एवं विश्वविद्यालय की भावी कार्ययोजना पर भी विचार–विमर्श हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने–अपने विभागों की कमियों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन कर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मासिक समीक्षा प्रणाली विकसित करने पर बल दिया, ताकि कार्यों में निरंतर गुणवत्ता सुधार हो सके। राज्यपाल ने शोध, नवाचार और पेटेंट को बढ़ावा देते हुए शोध कार्यों के व्यावहारिक उपयोग (कमर्शियलाइजेशन) पर जोर दिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों को शोध पत्र, पुस्तक लेखन एवं अनुवाद कार्य में सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए गए।

दिनांक 14 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के सामाजिक एवं आर्थिक विचारों की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता रहा, जिसमें विद्वानों ने उनके विचारों की समकालीन उपयोगिता पर गहन मंथन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अंबेडकर के चिंतन को आत्मसात कर समाज में समानता, न्याय और समावेशन की भावना को सशक्त करें।

15th April, 2026 | A special session on Personal Finance was successfully conducted at Khwaja Moinuddin Chishti Language University on 15 April 2026 at the KMCLU Campus. The session focused on building smart money habits, planning financial goals, and making informed financial decisions. The programme witnessed active participation from students who gained valuable insights into financial awareness and responsible money management.

दिनांक 15 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल से आये अतिथि श्री माघवेन्द्र पोरवल, प्रो0 सैय्यद हैदर अली, डॉ0 राजकुमार सिंह तथा अन्य शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय सहित संग्रहालय का भी भ्रमण किया गया।

15th April, 2026 | The final dose of the Cervical Cancer Vaccination was administered as part of a vaccination program organized by the Faculty of Pharmacy.

दिनांक 16 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कुशल निर्देशन में "नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023" के महत्व को रेखांकित करने और समाज में इसके प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एक प्रभावशाली जागरुकता रैली के साथ हुआ। विश्वविद्यालय परिसर में निकाली गई इस रैली के माध्यम से युवाओं को राजनीति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

16th April, 2026 | KMCLU Organizes Workshop on Using Archives as Teaching Tools through Folk Heritage of Uttar Pradesh,Lucknow, 16 April 2026 Under the guidance of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Ajay Taneja, the Department of Business Administration, Khwaja Moinuddin Chishti Language University (KMCLU), Lucknow, in association with the Awadh Incubation Foundation, organized a focused workshop on "Archives as a Teaching Tool: Makerspace-Based NEP Curriculum Integrating IKS through the Folk Heritage of Uttar Pradesh" was organised.

दिनांक 17 अप्रैल 2026। माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कुशल निर्देशन में ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023'' के महत्व को रेखांकित करने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर महिलाओं में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 की जागरूकता के दृष्टिगत ''भाषण प्रतियोगिता'' का भी आयोजन किया गया।

दिनांक 18 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'' के अंतर्गत जागरूकता एवं सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए एक विशेष कार्यक्रम ''पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय'' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

दिनांक 18 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा, अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार को अटल हॉल में 'आईपीआरएस और पेटेंट डिज़ाइन फाइलिंग' विषय पर एक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों के बीच बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्व तथा वर्तमान ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने भागीदारी की।

20th April, 2026 | One day National Workshop on the topic "Reimagining News Writing in the Digital Age: From Print to Platform" organized by Depof Journalism and Mass Communication.

दिनांक 21 अप्रैल 2026। विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्र विभाग के बी0एड0 एवं बी0ए0 पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा अनाथालय (दृष्टि सामाजिक संस्थान) का भ्रमण किया गया।

दिनांक 21 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र एवं आचार्यशंकर भारतोद्भाभाषक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में वैश्विक वैविध्य में एकत्व का आधार अद्वैत और आचार्यशंकर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

22nd April, 2026 | Celebrated Earth Day in collaboration with Department of Journalism and Mass Communication, Department of Computer Science and Engineering and Bisleri Company today where the students participated in the pledge taking activity to understand the mission Our Power Our Planet.

22nd April, 2026 | Poster Making Competition on "Sustainable Technology" organized by Department of CS & IT, where students showcased their creativity through innovative and meaningful posters reflecting environmental awareness.

22nd April, 2026 | Poster Making Competition on "World Earth Day" organized by Department of BOTANY, where students presented their creativity through innovative and meaningful posters reflecting Sustainable Development and Environmental Awareness.

दिनांक 23 अप्रैल 2026 | ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी एवं आधुनिक यूरोपीय एवं एशियाई भाषाएं विभाग द्वारा अटल हॉल में "लिट्रोटोपिया–द वर्ल्ड ऑफ लिटरेचर" शीर्षक से एक दिवसीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके उपरांत कार्यक्रम संयोजक प्रो. तनवीर खदीजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए साहित्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिनमें कविता पाठ, माइम एक्ट, गीत प्रस्तुति तथा फ्रांसीसी दार्शनिकों के विचारों पर संक्षिप्त परिचर्चा शामिल रही।

दिनांक 24 अप्रैल 2026 | ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित एक माह की अवधि का "एआई फॉर एवरीवन" पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमाण–पत्र वितरण समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड के कक्ष संख्या 443 में किया गया। माननीय कुलपति प्रो0 अजय तनेजा जी ने प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए तथा अपने उद्बोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्तमान समय की एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

24th April, 2026 | Speech Competition organised by the department of Political Science on occasion of Panchayati Raj Diwas and the topic was Role of Women in Panchayati Raj.

दिनांक 24 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की विद्यार्थी टोली रश्मिरथी पर्व में सहभागिता हेतु इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर के लिए रवाना। विशेष सहयोग हेतु डॉ. शान ए फातिमा उपस्थित रहीं।

दिनांक 25 अप्रैल 2026। उत्तर प्रदेश की बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा और मार्गदर्शन में साकार हुई। समझौते पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा तथा रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्रा ने अपने–अपने संस्थानों की ओर से हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों ने इसे अकादमिक सहयोग और सांस्कृतिक अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस समझौते के तहत रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में संरक्षित दुर्लभ एवं प्राचीन पांडुलिपियों के अध्ययन, सूचीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण का कार्य संयुक्त रूप से किया जाएगा। साथ ही अरबी, फ़ारसी, उर्दू, हिंदी और अंग्रेज़ी भाषाओं में शोध, अकादमिक आदान–प्रदान और बहुभाषिक अध्ययन को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

दिनांक 25 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन द्वारा विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार दिवस के अवसर पर आज विश्वविद्यालय परिसर में "आईपीआर प्रबंधन" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन की मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) डॉ. दोआ नक़वी ने अपने संबोधन में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के बीच महत्वपूर्ण संबंध को रेखांकित किया।

दिनांक 25 अप्रैल 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में हार्टफुलनेस संस्थान द्वारा आयोजित छः दिवसीय विशेष ध्यान (Meditation) कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिक्षा विभाग की पहल पर आयोजित इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को तनाव मुक्त जीवन जीने और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने के तरीके सिखाना था। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने हार्टफुलनेस ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति और आंतरिक संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा तथा सह–समन्वयक डॉ. मोहम्मद इरफान के कुशल मार्गदर्शन में यह आयोजन 20 अप्रैल, सोमवार को शुरू होकर 25 अप्रैल, शनिवार को समाप्त हुआ।

विशेषज्ञ के रूप में डॉ. मोहम्मद नसीब ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि आधुनिक समय में तनाव एक बड़ी चुनौती है, जिसे नियमित ध्यान और सकारात्मक सोच के जरिए प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है।

दिनांक 29 अप्रैल 2026 | गुजरात स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में भव्य साइकिल–बाइक रैली, पदयात्रा और जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन' गुजरात स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर आज विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। माननीय कुलपति 'प्रो. अजय तनेजा' के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा एक भव्य साइकिल रैली, बाइक रैली एवं पदयात्रा का सफल आयोजन किया गया।

29th April, 2026 | Celebrating Gujarat Foundation Day with flavors and culture! The Department of Home Science at Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow organized "Gujarati Chaska". Students showcased delicious Gujarati cuisine through creative food stalls, making the event vibrant and memorable. A perfect blend of culture, taste, and learning!

दिनांक 01 मई 2026 | 'युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार' के अधीन माय भारत द्वारा 1 से 3 मई तक उत्तर प्रदेश विधानसभा सदन में आयोजित 'उत्तर प्रदेश राज्य विकसित भारत युवा संसद, 2026' में भाषा विश्वविद्यालय, विधि अध्ययन संकाय के एलएल.एम. के छात्र अमन कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रतिभाग किया।

दिनांक 01 मई 2026 | को ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के नेतृत्व में गुजरात स्थापना दिवस अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं सांस्कृतिक समर्पण के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य एवं बहुआयामी कार्यक्रम का

आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा, संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतर्गत गुजरात की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विशेषताओं पर आधारित एक ज्ञानवर्धक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा गुजरात को समर्पित भाषण प्रस्तुत किए गए, जिनमें राज्य के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान एवं महापुरुषों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

दिनांक 06 मई 2026 | ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में संचालित सम सेमेस्टर परीक्षाओं की व्यवस्था का कुलपति प्रो. अजय तनेजा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं, अनुशासन, प्रश्नपत्र वितरण प्रक्रिया तथा परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया गया। कुलपति प्रो0 अजय तनेजा ने विभिन्न परीक्षा कक्षों का भ्रमण करते हुए विद्यार्थियों से संवाद किया और परीक्षा संबंधी अनुभवों के बारे में जानकारी ली।

दिनांक 08 मई 2026। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनगणना अभियान के अंतर्गत ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में जागरूकता और सहभागिता का सराहनीय उदाहरण देखने को मिला। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि जनगणना देश की योजनाओं और नीतियों के निर्माण का आधार होती है।

दिनांक 13 मई 2026। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार के 77वें स्थापना दिवस पर भारतीय ज्ञान परंपरा में पांडुलिपियों का महत्व एवं भावी पीढ़ी के लिए उपयोगिता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी व अभिलेख प्रदर्शनी लगी। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजय तनेजा ने कहा कि पांडुलिपियां हमारी अमूल्य धरोहर हैं। अभिलेखागारों को राष्ट्र की स्मृति संस्थाएं बताते हुए युवाओं से इनके संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया।

दिनांक 13 मई 2026। कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के छात्र मोहम्मद सफदर अंसारी (M.C.A. Sem IV 2026) ने Samsung Innovation Campus(SIC) &III में AI श्रेणी में स्टेट टॉपर बनकर रू01 लाख की स्कॉलरशिप, लैपटॉप तथा Samsung मुख्यालय गुरुग्राम एवं Samsung Research Institute, नोएडा के शैक्षणिक भ्रमण का अवसर प्राप्त कर विभाग एवं विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

दिनांक 20 मई 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा के निर्देशों के क्रम में विश्वविद्यालय की इंडियन नॉलेज सिस्टम पहल के अंतर्गत बॉयज़ हॉस्टल एवं गर्ल्स हॉस्टल के छात्र–छात्राओं को सहारागंज स्थित पीवीआर सिनेमा में फिल्म कृष्णावतारम भाग–1–हृदयम को देखने के लिए आईकेएस कोऑर्डिनेटर डॉ. नीरज शुक्ला द्वारा ले जाया गया। कृष्णावतारम भाग–1–हृदयम एम पौराणिक, भक्तिमय एवं नाटकीय फिल्म है, यह फिल्म भगवान श्रीकृष्ण की राधा से वियोग के बाद द्वारका से कुरुक्षेत्र तक की यात्रा को दर्शाती है।

दिनांक 23 मई 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रोवर्स–रेंजर्स दल ने उत्तराखण्ड के शीतलाखेत, अल्मोड़ा स्थित राज्य साहसिक प्रशिक्षण केन्द्र (STAC) में आयोजित पाँच दिवसीय राज्य स्तरीय साहसिक प्रशिक्षण शिविर–2026 में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, ज़िप लाइनिंग, रैपलिंग, वैली क्रॉसिंग, तीरंदाजी, शूटिंग, स्काई साइक्लिंग तथा विभिन्न साहसिक गतिविधियों में भाग लेकर अपने शारीरिक एवं मानसिक कौशल का विकास किया। साथ ही श्रमदान, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक निषेध, वन संरक्षण तथा नशामुक्ति जैसे सामाजिक सरोकारों पर आधारित नुक्कड़ नाटकों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक चेतना और जनजागरूकता का संदेश भी दिया।

दिनांक 26 मई 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय सभा की बैठक में माननीय विधायक श्री योगेश वर्मा एवं माननीय विधायक श्री अंगद कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। जन प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में अपने सुझाव प्रस्तुत

किये तथा विद्यार्थियों के साथ संवाद करने में रूचि जाहिर की। बैठक के दौरान कुलपति प्रो0 अजय तनेजा ने भी शैक्षणिक गुणवत्ता, अधोसंरचना, विकास एवं छात्रहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे।

01st June, 2026 | Farewell Ceremony in Honour of Our Respected Registrar, Dr. Mahesh Kumar

दिनांक 02 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में मंगलवार को "वोविनाम टेक्निकल ट्रेनिंग कैंप" का भव्य उद्घाटन किया गया। 7 जून तक आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में देश–विदेश के प्रतिभागी और विशेषज्ञ प्रशिक्षक हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान एवं मुकेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्रशिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। अपने संबोधन में प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि मार्शल आर्ट्स केवल शारीरिक क्षमता को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

05th June, 2026 | Plantation Drive organized by NSS Unit on the occasion of World Environment Day 2026

06th June, 2026 | Vice Chancellor Prof. Ajay Taneja had a courtesy meet with Hon'ble minister of defence Shri. Rajnath Singh

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस – 2026 की झलकियाँ

दिनांक 19 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष योगाभ्यास सत्र एवं "वॉकाथॉन फॉर योग" कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में संपन्न हुआ। योगाभ्यास का प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन योग विशेषज्ञ श्री को स्वस्थ बनाता है, बल्कि मन को भी शांति एवं जीवन में संतुलन प्रदान करता है।

दिनांक 19 जून 2026। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के उपलक्ष्य में माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा जी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में दिनांक 19 जून, 2026 को विश्वविद्यालय में योग प्रोटोकॉल–2026 के पूर्वाभ्यास एवं योग शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश भी दिया। इस अवसर पर कुलसचिव श्री विकास ने उपस्थित शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई।

विश्वविद्यालय परिसर (21 जून 2026)

जन भवन परिसर (21 जून 2026)

दिनांक 19 जून 2026

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अंग्रेज़ी भाषा अधिगम प्रणाली पर डॉ. रुचिता सुजय चौधरी का पेटेंट प्रकाशित

दिनांक 22 जून 2026। इतिहास विभाग के शोध सहायक डॉ मुकेश कुमार (राष्ट्रीय कैडेट कोर पर देश की पहली पीएच–डी) का चयन भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान राष्ट्रपति निवास शिमला में हुआ है।

दिनांक 23 जून 2026। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के स्वयं लोकल चैप्टर द्वारा "Integrating MOOCs Through SWAYAM" विषय पर एक दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में किया गया तथा इसका संयोजन विश्वविद्यालय की स्वयं नोडल अधिकारी डॉ. रुचिता सुजई चौधरी ने किया। कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, राष्ट्रीय क्रेडिट फेमवर्क तथा UGC SWAYAM Regulations के अनुरूप विश्वविद्यालय में मूक्स आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना, विभागीय पाठ्यक्रमों के साथ स्वयं को एकीकृत करना तथा विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षण अवसर सुनिश्चित करना था।

दिनांक 24 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव के पत्र दिनांक 19 जून, 2026 के अनुपालन में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पुरुष छात्रावास के प्रबोस्ट, वार्डन शिक्षकगण एवं छात्र द्वारा स्वच्छता अभियान

संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत छात्रावास परिसर की साफ–सफाई के साथ–साथ कुलपति आवास एवं कुलसचिव आवास के बाहरी परिसर में भी स्वच्छता कार्य संपादित किया गया।

दीक्षोत्सव – 2026

दीक्षोत्सव 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण, चित्रकला/पेंटिंग एवं कहानी कथन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं सृजनशीलता की प्रेरणादायी झलकियाँ।

दीक्षोत्सव 2026 के उपलक्ष्य में गोद लिये गये गांवों में "मेरी माँ" विषय पर भाषण, निबन्ध, काव्य एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

वृहद स्वच्छता अभियान

विश्वविद्यालय में 11वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन, छात्रों एवं कर्मचारियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प।

दिनांक 26 जून 2026। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद द्वारा आयोजित 48वाँ प्रांतीय महा सम्मेलन में विधि विभाग के सहायक आचार्य, डॉ राजकुमार सिंह को सम्मानित किया गया।

दिनांक 26 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्राध्यापकों आस्था चौरसिया और मोहम्मद सलमान अंसारी ने "इरिगेशन इंजीनियरिंग : ए कॉन्सेप्ट अप्रोच" (सिंचाई अभियांत्रिकी : एक अवधारणात्मक दृष्टिकोण) नामक पुस्तक लिखी है। कुलपति अजय तनेजा और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विषय प्रभारी कौशलेश कुमार शाह ने इस उपलब्धि पर लेखकों को बधाई दी।

दिनांक 29 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित दीक्षोत्सव–2026 के अंतर्गत बुधवार को विभिन्न विद्यालयों में साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, अभिव्यक्ति–कौशल, सांस्कृतिक चेतना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना था।

अपर प्राइमरी स्कूल, ककौली में कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए "मेरी माँ" विषय पर कहानी एवं कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 20 छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने मातृत्व, प्रेम, त्याग और संस्कारों को अपनी रचनाओं में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में कक्षा 8 की वैष्णवी सिंह ने प्रथम, कक्षा 7 की सायना ने द्वितीय तथा कक्षा 6 की माही मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री एहतेशाम अहमद एवं श्रीमती अपेक्षा सिंह के सहयोग से संपन्न हुआ।

दिनांक 29 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय परिवार की ओर से वरिष्ठ शिक्षकों प्रो0 फखरे आलम एवं प्रो0 तनवीर खदीज़ा के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर एक गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर दोनों शिक्षकों के दीर्घकालीन शैक्षणिक एवं संस्थागत योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 ज़फ़रून नक़ी ने प्रभावशाली अंदाज में किया। उन्होंने अपने स्वागत उद्बोधन में दोनों प्राध्यापकों की शैक्षणिक उपलब्धियों, विद्यार्थियों के प्रति उनके समर्पण तथा विश्वविद्यालय के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

दिनांक 30 जून 2026। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में दीक्षोत्सव–2026 के अंतर्गत देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता तथा देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अनेक देशभक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित श्रोताओं को भाव–विभोर कर दिया।

Research/Review Paper Publication/s

S. No.	Author/s	Title	Journal Name	ISSN No.
FACULTY OF PHARMACY				
1.	Mr. Kunal Agam Kanaujia	Bioinspired Antimicrobial Peptide Hydrogel Dressing for Accelerated Healing of Infected Wounds	Journal of Materials Chemistry B (Royal 39 Society of Chemistry)	2050-750x
2.	Mr. Kunal Agam Kanaujia	Hierarchical Surface-Engineered Biomimetic PLGA Nanoparticles for Targeted Pulmonary Delivery of Lumacaftor in Cystic Fibrosis	BioNanoScience (Springer)	2191-1649
3.	Mr. Kunal agam Kanaujia	Mesenchymal Stem Cell Derived exosome-inspired nanoformulations: a new frontier in targeted cancer therapy	International Journal of Pharmaceutics	0378-5173
4.	Mr. Kunal Agam Kanaujia, Dr. Dharmendra Singh, Dr. Shubham Rastogi, Ahtesham Ahmad	Artificial Intelligence Assisted Design of Antimicrobial Peptides Against Multidrug-Resistant Pathogens	Global Journal of Pharmaceutical and Scientific Research (GJPSR)	3108-0103
5.	Mr. Kunal Agam Kanaujia, Dr. Anand Kumar, Mr. Ahtesham Ahmad	Biomimetic cell membrane coated nano-particles for immune evasion and targeted drug therapy	Global Journal of Pharmaceutical and Scientific Research (GJPSR)	3108-0103
6.	Dr. Anand Kumar	Structure Based Computational Analysis of Piceatannol against zeta chain associated protein kinase 70: insights from molecular docking dynamics and ADMET prediction	Biochemical and cellular archives	0972-5075
DEPARTMENT OF BIOTECH ENGINEERING				
7.	Dr. Mamta Shukla	An Integrated Practical Handbook for Microbiology and Molecular Biology	Book	978-93-7837-401-2
DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY				
8.	Mohd Zahid, Vandita Anand, Akshay Kumar Gupta, **Dileep Kumar**, Abbas Ali Mahdi, SudhirMehrotra	Exploring the Pharmaceutical Properties of Curcumin (CUR) and Quercetin (QUE): From Molecular Targets to Clinical Applications	Journal of Technology	1012-3407
9.	**Vandita Anand**, Anjana Pandey	In-silico Mining of microsatellites in Heavy Metal Resistant Genes Subunits of C. metallidurans, E. coli, K. pneumoniae, and S. marcescens	Journal of Technology	1012-3407
DEPARTMENT OF ZOOLOGY				
10.	Dr. Ratnesh Kumar Singh	Integrative Taxonomy of Marine Helminths from Carangoides spp.: Evidence from Morphology, ITS2, 28S rDNA and COI Gene Sequences	Advanced International Journal for Research	3048-7641
11.	Dr. Ratnesh Kumar Singh	Association between Obstructive Sleep Apnea and coronary artery disease: A comparative analysis of Regional and Global data.	IOSR Journal of Dental and Medical Sciences.	2279-0861

FACULTY OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY				
12.	Dr Hemant Kumar	Toxicity Detection in Online Discourse Using Ensemble Machine Learning Models for Cyberbullying and Hate Speech Recognition	2026 Innovations in Machine, Engineering, and Digital Conference (IMED)	ISBN:979-8-3315-6997-6
13.	Dr. Suman Kumar Mishra, Digesh Pandey, Dr. Shan-e-Fatima	Context-Aware Neural Machine Translation For English–Hindi Sentences	Int J Drug Deliv Technol. 2026	ISSN: 0975 4415
14.	Dr Hemant Kumar Ms Bably Dolly	Cloud-Native Architectures for Scalable Data Management and Intelligent Decision-Making	2026 3rd International Conference on Advancements and Key Challenges in Green Energy and Computing	ISBN:979-8-3315-8094-0
15.	Dr Hemant Kumar	Comparative Analysis of Deep Learning Models with Explainable AI on Skin Cancer Detection	2026 3rd International Conference on Advancements and Key Challenges in Green Energy and Computing	ISBN:979-8-3315-8094-0
16.	Dr Hemant Kumar	AI-Enabled Diagnostic Framework for Diabetes Detection Based on Patient Health Records	ACM International Conference on Information Management & Machine Intelligence (ICIMMI 2025), Poornima Institute of Engineering & Technology, Jaipur, India	9798400720642
17.	Dr Hemant Kumar	Causality-Aware Recommender Systems (CARS): A Fairness-Centered Approach for Robust and Transparent Recommendation		
18.	Dhirendra Singh, Shivanshi Tripathi*, Rashi Srivastava, Aman Mishra, Digesh Pandey	Analysis of cytotoxicity of metallic nanoparticles with antimicrobial properties using machine learning approach	Int J Drug Deliv Technol. 2026	ISSN: 0975 4415
19.	*Unni Kisan, Kaushlesh Kumar Shah, Birendra Kumar	ANALYSIS OF ENVIRONMENTAL ETHICS IN THE TECHNOLOGY AGE: CHALLENGES AND RESPONSIBILITIES	International Journal Research Publication Analysis	ISSN 2456-9995
FACULTY OF LEGAL STUDIES				
20.	Ms. Neha Gupta & Dr. Piyush Kumar Trivedi	Personality Rights in the Generative AI Era: 2025 Delhi High Court Trends	International Journal of Law, Management & Humanities	2581-5369
21.	Ms. Neha Gupta & Dr. Piyush Kumar Trivedi	Cyber Insurance in India: Legal Framework, Gaps, and Risk Mitigation	International Journal of Law, Management & Humanities	2581-5369
22.	Mr. Ashish Shahi	Safeguarding human dignity in the face of hunger: examining the role of the Human Rights Commission in global food security	National Journal of Multidisciplinary Research and Development	3048-9423
23.	Mr. Ashish Shahi	Law for greener future: Legal tools for sustainability	Ved International Journal of Arts, Commerce and Technology	3139-1656

Details of MoUs

S. No.	Name of the Institute	Country	Collaborative Department in the University	Nature of the MoU	Date
1.	Bottles for Change Program,CSR, Bisleri International Pvt Ltd	India	KMCLU	To inculcate civic sense among students and educate on responsible disposal of platics for recycling from the campus thus achieve zero plastic waste to landfill.	08.06.2026
2.	Rampur Raza Library and Museum	India	KMCLU	To strengthen, promote and develop academic, cultural and research co-operation between the Parties on the basis of equality, mutual benefit and public good.	25.04.2026
3.	Uttar Pradesh Rozgar Mission	India	KMCLU	This MoU aims to establish cooperation between both the institutions for conducting online foreign language certificate courses for students enrolled under the department of labour and Employment.	30.03.2026
4.	FuGen Global Academy, Prayagraj	India	KMCLU	To strengthen, promote and develop academic, cultural and research co-operation between the Parties on the basis of equality, mutual benefit and public good.	10.03.2026

Awards/Recognitions

S. No.	Name	Name of Award	Issuing Authority	Received on Date
1.	Dr. Raj Kumar Singh	Outstanding Social Services Award	Sikkim Alpine University, Namchi (Sikkim)	24-05-2026
2.	Dr. Nalini Misra	Paryavaran Shri Samman	Sikkim Alpine University, Namchi (Sikkim)	24-05-2026
3.	Dr. Ruchita Sujai Chaudhary	Publishing Person of the Year	PrintWeek (Women to Watch Award – 2026)	11-06-2026
4.	Mr. Aman Tripathi (Student-LLM)	Represented the University at Viksit Bharat Yuva Parliament 2026, Uttar Pradesh Assembly	-	01-05-2026
5.	Mr. Mohd Safdar Ansari (Student-MCA)	State Topper in AI Category with Scholarship of Rs. 1 Lac	Samsung Innovation Campus (SIC) & III	13-05-2026

Scholars Space

Archives and Museums: Custodians of Collective Memory in the Twenty-First Century

By **Pooja Yadav**

Research Scholar, Department of History, KMCLU

History is not merely a record of the past; it is the foundation of a society's identity and cultural heritage. Archives and museums play a vital role in preserving this heritage by safeguarding documentary records and material objects that reflect human civilization. Together, they serve as custodians of collective memory, ensuring that future generations remain connected to their historical roots.

Archives preserve unique and unpublished records such as manuscripts, official documents, maps, photographs, letters, and audiovisual materials. These records are valuable primary sources that help historians, researchers, and policymakers reconstruct the past with authenticity. Beyond historical research, archives also promote transparency, accountability, and the preservation of institutional memory, making them essential for good governance.

Museums complement archives by collecting, conserving, and exhibiting objects of historical, cultural, artistic, and scientific importance. Archaeological artefacts, paintings, textiles, coins, sculptures, and ethnographic collections allow visitors to experience history in a tangible way. Unlike written records alone, museum objects create a visual and emotional connection with the past, making learning more engaging and meaningful.

The relationship between archives and museums is closely interconnected. An artefact displayed in a museum gains greater significance when supported by archival documents explaining its origin, context, and historical importance. Similarly, archival records become more meaningful when interpreted alongside material evidence. Together, these institutions provide a comprehensive understanding of history through both documentary and physical sources.

In the digital era, the role of archives and museums has expanded considerably. Digitisation, virtual exhibitions, and online collections have made historical resources accessible to a wider audience while helping preserve fragile materials. These technological advancements have transformed archives and museums from passive repositories into dynamic centres of education, research, and public engagement.

In a culturally diverse country like India, archives and museums are indispensable for preserving regional histories, indigenous traditions, and local heritage. They protect cultural diversity while strengthening national identity by ensuring that the stories of different communities are documented and shared. They also contribute significantly to heritage tourism, attracting scholars, students, and visitors, thereby supporting local economies and encouraging heritage conservation.

Despite their importance, these institutions face several challenges, including inadequate funding, shortage of trained professionals, poor conservation facilities, and the growing complexity of preserving digital records. Addressing these issues requires greater investment, professional training, technological innovation, and collaboration among governments, academic institutions, and local communities.

In conclusion, archives and museums are far more than repositories of old records and artefacts. They are centres of knowledge, cultural identity, and historical consciousness. By preserving documentary and material heritage, they bridge the past and the present, enabling societies to learn from history while shaping a more informed and culturally aware future. Strengthening these institutions is therefore not only a responsibility towards our past but also an investment in the intellectual and cultural development of future generations.

***

'21वीं सदी का भारतः बदलती शिक्षा व्यवस्था, चुनौतियाँ और भविष्य की राह'

मानषी
शोधार्थी, इतिहास विभाग

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के चरित्र, प्रगति और उसकी भावी पीढ़ी का निर्माण करने वाली सबसे मजबूत नींव होती है। आज भारत जब दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभर रहा है और वैश्विक मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है, तब हमारी शिक्षा व्यवस्था एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील दौर से गुज़र रही है। एक तरफ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के माध्यम से देश के शैक्षणिक ढांचे को आधुनिक, बहुविषयक (Multidisciplinary) और कौशल–आधारित बनाने के बड़े प्रयास हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ डिजिटल असमानता, रटने की प्रवृत्ति और बेरोज़गारी जैसी जमीनी चुनौतियाँ आज भी हमारे सामने खड़ी हैं। ऐसे मे यह सवाल बेहद लाजिमी हो जाता है कि क्या हमारी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था भारतीय युवाओं को 21वीं सदी के वैश्विक बाज़ार और जीवन की वास्तविक व्यावहारिक चुनौतियों के लिए तैयार कर पा रही है?

<u>NEP 2020: बदलाव की दिशा और ढांचागत सुधार</u>

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा जगत में सबसे बड़ा और दूरगामी कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन रहा है। दशकों पुराने (10+2) मॉडल को समाप्त कर उसकी जगह लाए गए '5+3+3+4' के नए प्रारूप ने बुनियादी साक्षरता, प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल (ECCE) और खेल–कूद के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है।

इस नीति का सबसे सराहनीय पहलू यह है कि इसने आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स जैसे पारंपरिक और कड़े बंधनों को ढीला किया है। अब यदि कोई छात्र भौतिक विज्ञान (Physic) के साथ संगीत (Music) या अर्थशास्त्र पढ़ना चाहता है, तो उसे इसकी छूट है। इसके साथ ही, कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) और कोडिंग (Coding) जैसे व्यावहारिक विषयों का समावेश बच्चों में कम उम्र से ही कौशल विकसित करने की दिशा में एक मजबूत पहल है। उच्च शिक्षा मे 'मल्टीपल एंट्री और एग्जिट' (Multiple Entry and Exit) व्यवस्था ने भी छात्रों को बीच में पढ़ाई छूटने पर साल बर्बाद होने के डर से काफी हद तक राहत दी है।

डिजिटल क्रांति और बदलती कक्षाएं

प्रौद्योगिकी के समावेश ने भारतीय कक्षाओं का रूप–रंग बदल दिया है। 'स्मार्ट क्लासरूम', एआई–आधारित (AI) लर्निंग टूल्स और 'दीक्षा' (DIKHA) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने ज्ञान के दरवाजे दूर–दराज के इलाकों तक पहुंचाए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल लिटरेसी को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। एआई और आधुनिक तकनीकों के इस दौर में अब बच्चे केवल किताबों तक सीमित न रहकर इंटरनेट के विशाल ज्ञानकोश से जुड़ रहे हैं।

ज़मीनी हकीकतः– आज भी कायम हैं ये चुनौतियाँ

कागज़ों पर बनाई गई नीतियाँ और योजनाएँ जितनी आकर्षक और आधुनिक दिखती हैं, ज़मीन पर उनकी राह उतनी ही कठिन है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था आज भी कई बुनियादी और गंभीर समस्याओं से जूझ रही है:–

1. रटंत विद्या' से अंक–केंद्रित सोचः

सुधारों के तमाम दावों के बावजूद हमारी परीक्षा प्रणाली आज भी मुख्य रूप से याददाश्त और अंकों पर केंद्रित है। छात्र ज्ञान अर्जित करने या मौलिक सोच विकसित करने के बजाय केवल परीक्षाओं में बोर्ड टॉपर बनने या प्रवेश परीक्षाओं को क्रैक करने के तनाव में जी रहे हैं।

2. गुणवत्ता और शिक्षकों का प्रशिक्षणः–

बुनियादी स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता आज भी चिंताजनक है। कई सरकारी और ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी बुनियादी ढांचे (Infrastructure), जैसे प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और स्वच्छ शौचालयों का अभाव है। इससे भी बड़ा मुद्दा योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी का है। जब तक शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं मिलेगा, तब तक कोई भी नीति कागज़ों से बाहर नहीं निकल सकती।

3. डिग्री और रोजगार (Employability) के बीच की खाईः

हर साल देश के विश्वविद्यालयों से लाखों स्नातक (Graduate) डिग्रियाँ लेकर निकलते हैं, लेकिन उद्योग जगत और कॉर्पोरेट सेक्टर की शिकायत रहती है कि इन युवाओं में व्यावहारिक कौशल (Practical Skills), समस्या–समाधान (Problem Solving) क्षमता और संवाद कौशल (Communication) की भारी कमी है। डिग्री होना और रोज़गार के योग्य होना इन दोनों बातों में आज एक बड़ा अंतर बन चुका है।

4. डिजिटल और क्षेत्रीय असमानताः–

शहर के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जहाँ एआई

और रोबोटिक्स सीख रहे हैं, वहीं देश के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों मे ं रहने वाले लाखों बच्चे आज भी बुनियादी इंटरनेट और कंप्यूटर की सुविधा से वंचित हैं। यह 'डिजिटल डिवाइड' समाज में एक नई शैक्षणिक असमानता पैदा कर रहा है।

भविष्य का मार्ग: क्या करने की आवश्यकता है?

यदि भारत को वास्तव में एक 'ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था' (Knowledge Economy) बनना है, तो हमें केवल नीतियों के ऐलान तक सीमित रहने के बजाय उनके पारदर्शी और त्वरित क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

–:मूल्यांकन पद्धति मे ं अमूल–चूल बदलाव:–

परीक्षाओं का ढांचा ऐसा होना चाहिए जो छात्र की रटने की क्षमता नहीं, बल्कि उसकी विश्लेषणात्मक (Analytical) और रचनात्मक (Creative) सोच को मापे।

शिक्षको ं का सशक्तिकरण:–

शिक्षकों के निरंतर Professional Development पर बजट का बड़ा हिस्सा खर्च किया जाना चाहिए। शिक्षक केवल पढ़ाए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक (Mentor) की भूमिका निभाए।

उद्योग और शिक्षा जगत का तालमेल:–

उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों को उद्योग की वर्तमान और भावी ज़रूरतों के अनुसार हर एक–दो साल में अपडेट किया जाना चाहिए। इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

समान अवसर और बजट में बढ़ोतरी:–

शिक्षा पर जीडीपी (GDP) के कम से कम 6% हिस्से को खर्च करने का लक्ष्य जल्द से जल्द हासिल किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण और वंचित वर्गों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

निष्कर्ष

भारत के पास 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी का एक अद्भुत अवसर है। लेकिन यह युवा आबादी देश के लिए संपत्ति (Asset) तभी बनेगी जब हम उन्हें केवल कागज़ी डिग्रियाँ देने के बजाय सही मायने में संस्कार, जीवन–कौशल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देंगे। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था सही दिशा में कदम बढ़ा चुकी है, लेकिन मंज़िल अभी दूर है। सरकार, शिक्षक, समाज और अभिभावकों को मिलकर एक ऐसा माहौल बनाना होगा जहाँ सीखना एक बोझ न होकर, जिज्ञासा और खोज की एक आनंददायक यात्रा बन सके। इसी मार्ग पर चलकर हम अपने देश को वैश्विक पटल पर एक सच्चे 'ज्ञान गुरु' के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

Strategic Framework to Restore Cultural Continuity in Uttar Pradesh's Tourism Sites

By **Ankita Srivastava**

Research Scholar, Department of History, KMCLU

The heritage infrastructure of Uttar Pradesh, though organized and modernized during the British Raj, was left with a structural flaw: it treated living sacred geographies and imperial monuments as static, secular exhibits. To bridge this colonial-era disconnect, contemporary heritage tourism must transition from a model of rigid preservation to one of living heritage conservation.The following strategic proposals outline a comprehensive way forward to restore cultural continuity across the state's historic landscapes.

1. Community-Led Co-Curation and Heritage

GovernanceColonial management centralized control, distancing local communities from their own heritage. The way forward requires a shift toward collaborative governance.

Establish Heritage Panchayats:

Form localized advisory councils comprising resident artisans, spiritual custodians, historians, and civic leaders to co-manage site guidelines.

Empower Living Storytellers:

Train and certify local residents as official cultural ambassadors, shifting the tourism narrative from detached architectural timelines to authentic oral histories and community traditions.

Equitable Revenue Sharing:

Reinvest a fixed percentage of ticket sales and tourism taxes directly into local neighborhood infrastructure, ensuring residents benefit from heritage preservation.

2. Revitalizing Intangible Heritage Circuits

Monuments lose their cultural meaning when separated from the living arts that originally surrounded them. Tourism planning must integrate

physical spaces with intangible traditions. [Static Monument Visit] ——————▶ [Isolated Tourist Experience]

|

▼ (IntegratedFramework)

[Artisan Workshop Integration] ——▶ [Live Performance & Ritual] ——▶ [Living Heritage Circuit]

Integrate Living Craft Guilds:

Connect Agra's marble inlay (Pietra Dura) workshops and Lucknow's embroidery (Chikan) houses directly into official monument tourism routes

Designate Living Performance Zones:

Dedicate specific spaces within or near historic complexes for classical arts, such as Kathak recitals in Lucknow or Vedic chanting in Varanasi, keeping historic performance traditions alive.

Support Vernacular Festivals:

Provide institutional backing and marketing for local cultural fairs and religious pageants, ensuring they remain community-focused events rather than commercialized spectacles.

3. Restoring Historical and Ecological Geographies

Colonial interventions often altered the natural settings of monuments, such as replacing dynamic Mughal gardens with static English lawns. Restoring these spaces requires an eco-cultural approach.

Re-Introduce Indigenous Landscape Design:

Replace colonial-era lawns at sites like the Taj Mahal with historically accurate Mughal garden layouts, featuring traditional water channels and native flora like jasmine, hibiscus, and fruit-bearing trees.

Create Eco-Cultural Riverfront Buffer Zones:

Implement strict environmental and spatial regulations along the Ganges and Yamuna in Varanasi and Prayagraj to protect the sacred riverfronts from modern industrial visual pollution.

Revitalize Sacred Topographies:

Restore the historic walking paths (Parikrama Marg) and ancient water tanks (Kunds) in Mathura, Vrindavan, and Ayodhya, ensuring they can accommodate modern visitors while preserving their spiritual purpose.

4. Implementing Balanced, Multi-Perspective Curation

To move past the biased narratives found in colonial-era guidebooks, modern exhibitions must present a complete and inclusive view of history.

De-Centrilize Colonial Narratives: Re-curate historical sites like the Lucknow Residency to offer a balanced presentation that highlights both imperial history and Indian resistance during the 1857 Uprising.

Revitalize Archaeological Centers:

Transform static museums in Sarnath and Kushinagar into active global institutions for Buddhist philosophy, meditation, and language studies, reconnecting ancient artifacts with living spiritual practices.

Deploy Smart Digital Storytelling:

Use augmented reality (AR) and multilingual mobile applications to show visitors how these sites evolved over time, highlighting the local communities that built and sustained them.

Conclusion

The way forward for tourism in Uttar Pradesh lies in breaking down the colonial boundaries that separated historic monuments from their surrounding social and cultural environments. By adopting these living heritage strategies, the state can transform its historic destinations from frozen postcards of the past into thriving centers of cultural identity. This balanced approach protects physical architecture while honoring the living communities that keep Uttar Pradesh's heritage vibrant and resilient.

***

Patriarchy in the Age of Globalisation: Continuity and Change

By **Mohammad Ashad**
Research Scholar, Department of History, KMCLU

Globalisation has transformed the world by connecting economies, cultures, and societies through technology, trade, and communication. It has created new opportunities for education, employment, and social mobility. However, despite these developments, patriarchy continues to shape social relations across the globe. Rather than disappearing, patriarchal structures have adapted to new economic and cultural realities, making gender inequality more complex and less visible.

Patriarchy refers to a social system in which men hold greater power and authority over political, economic, and social institutions. Traditionally, this system limited women's access to education, property, and decision-making. Although globalisation has expanded opportunities for women, especially in developing countries, it has not completely dismantled these unequal power structures. In many sectors, women remain concentrated in low-paid, insecure, and informal employment with limited social protection.

The expansion of multinational corporations and global labour markets has increased women's participation in the workforce. While economic independence has empowered many women, unequal wages, workplace discrimination, and the burden of unpaid domestic work continue to persist. In several societies, women are expected to balance professional responsibilities with traditional family roles, creating a double burden that affects their physical and mental well-being.

Digital technology and social media have become powerful tools for challenging patriarchy. Global feminist movements such as #MeToo have raised awareness about gender-based violence and workplace harassment. At the same time, online spaces have also become platforms for cyberbullying, gender-based abuse, and the spread of misogynistic ideologies, demonstrating that technological progress alone cannot eliminate inequality.

Globalisation has also influenced cultural values by promoting ideas of gender equality and human rights. International organizations, civil society groups, and educational institutions have encouraged reforms that strengthen women's legal and political participation. Nevertheless, deeply rooted cultural traditions, social norms, and economic inequalities continue to restrict women's freedom and opportunities in many parts of the world.

In conclusion, globalisation has created significant opportunities for women's empowerment, but it has not ended patriarchy. Achieving genuine gender justice requires equal access to education, economic resources, legal protection, and decision-making, along with a collective commitment to challenging discriminatory attitudes and practices.

"Globalisation can transform economies, but true progress is achieved only when it transforms gender relations with equality, dignity, and justice."

***

दीक्षोत्सव के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

भाषा विवि में हुआ 'गुजरात स्थापना दिवस 2026' का आयोजन

भाषा विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की नई रूपरेखा, कर्मचारी शिक्षकों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में ओएनओएस पहल के अंतर्गत सफल ऑनलाइन जागरूकता सत्र आयोजित

हिन्दुस्तान

भाषा विवि में विभागों को शोध के लिए 15.80 लाख का अनुदान

भाषा विवि के कुलपति विश्व के शीर्ष 5% वैज्ञानिकों में शामिल

SciRank Global ... Global Scientist Index 2025 Official Registry ... (World's Top 5% Scientists) ... (Bibliometric Analysis) ... (Citations) ...

31 मई तक करें आवेदन भाषा विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित फार्मेसी संकाय में प्रवेश प्रारम्भ

भाषा विवि के दो शिक्षकों को सम्मान

एआइ में भाषा विश्वविद्यालय के छात्र ने हासिल की स्टेट टॉपर की उपलब्धि

भाषा विवि में जनगणना अभियान को मिला बढ़ावा

प्रधानमंत्री की अपील पर भाषा विश्वविद्यालय की त्वरित पहल, ऊर्जा एवं ईंधन बचत के लिए जारी किए गए निर्देश

कैंसर उपचार में नई उम्मीद: KMCLU के सहायक प्रोफेसर कुणाल प्रताप कनौजिया का शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

पांडुलिपियां हमारी अमूल्य धरोहर : प्रो. सक्सेना

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और बिसलेरी के बीच एमओयू, प्लास्टिक प्रबंधन को मिलेगा बढ़ावा

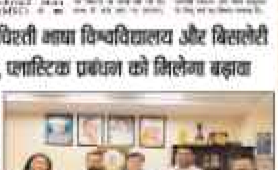

भाषा विश्वविद्यालय में 'सिटीज़नशिप एवं सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी' का भव्य आयोजन

भाषा विवि में ओ.एन.ओ.एस. पर ऑनलाइन जागरूकता सत्र आयोजित

प्रो. फखरे आलम एवं प्रो. तनवीर ख़ादिज़ा का विदाई समारोह संपन्न

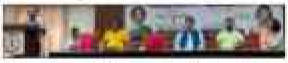

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में SWAYAM के माध्यम से MOOCs एकीकरण पर कार्यशाला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास एवं योग शपथ कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्राध्यापकों आसमा फौजिया और मोहम्मद सलमान अंसारी ने 'इरिगेशन इंजीनियरिंग : द कॉम्प्रिहेंसिव अप्रोच' (सिंचाई अभियांत्रिकी : एक अवधारणात्मक दृष्टिकोण) नामक पुस्तक लिखी है। कुलपति अजय तनेजा और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभाग प्रभारी कौशलेश कुमार शाह ने इस उपलब्धि पर लेखकों को बधाई दी। लेखकों ने बताया कि यह पुस्तक सिंचाई अभियांत्रिकी के सिद्धांतों और व्यावहारिक पहलुओं को सरल ढंग से प्रस्तुत करती है। यह इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के लिए उपयोगी होगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

'अभिलेखागार केवल दस्तावेजों के संग्रहण तक सीमित नहीं'

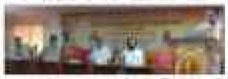

भाषा विवि में सम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कुलपति ने किया निरीक्षण

अमरउजाला संवाददाता

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में SWAYAM के माध्यम से MOOCs एकीकरण पर कार्यशाला

आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के बीच ऐतिहासिक समझौता

ایلومنائی شعبے کی پہچان اور اس کے تعلیقی سفیر ہیں: ڈاکٹر تسلیم جمال

کمپیوٹر سائنس اینڈ انجینئرنگ کے شعبے میں ایلومنائی میٹ کا انعقاد

नौजवान का राष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण शिविर शुरू

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आईपीआर व पेटेंट डिज़ाइन फाइलिंग पर कार्यशाला आयोजित

राष्ट्रीय संवाददाता

उर्दू शायरी में पर्यावरणीय चेतना की समृद्ध परंपरा मौजूद : प्रो. सौबान सईद

भाषा विवि में हुआ नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

केएमसीएलयू में संस्कृति व स्वाद का अनूठा संगम

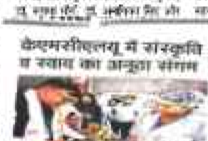

भाषा विवि में देशभक्ति गीत प्रतियोगिता आयोजित

अमरउजाला संवाददाता

लखनऊ, 28 मई, 2026 दैनिक जागरण

भाषा विश्वविद्यालय के नए परीक्षा नियंत्रक बने विकास

डा. रुचिता को कोर्स फ्लेटफार्म के लिए चयनित

my city अमर उजाला

कोर्स करने वाले विद्यार्थियों की डिग्री पर लगेगा एआई का ठप्पा

वैश्विक वैविध्य में एकत्व का आधार अद्वैत और आचार्यशंकर पर संगोष्ठी

राजधानी

आईकेएस पहल के तहत केएमसीएलयू के छात्र-छात्राओं ने देखी 'कृष्णावतारम भाग-1 हृदयम्' फिल्म